PART-1

# अलेक्जेण्डर वॉन हम्बोल्ट की भौगोलिक संकल्पनाएं

## भाग-1

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

SNSRKS महाविद्यालय सहरसा

---

## अलेक्जेण्डर वॉन हम्बोल्ट  की भौगोलिक संकल्पनाएं (Geographical Concepts of Humboldt)

हम्बोल्ट ने एक वैज्ञानिक विषय के रूप में भूगोल को संस्थापित करने का अति महत्वपूर्ण और अग्रणीय कार्य किया था। उन्होंने भूगोल की कई संकल्पनाओं को प्रतिपादित किया था जो निम्नांकित हैं-

### (i) मानव गृह के रूप में (Earth's surface as the home of man)

हम्बोल्ट का विचार धा कि भूगोल में पृथ्वी के तल (भूतल) का अध्ययन मानव गृह के रूप में किया जाता है। हम पृथ्वी का अध्ययन इसलिए करते हैं क्योंकि वहाँ मनुष्यों का निवास है। हम्बोल्ट की यह संकल्पना तब से आज तक मान्य रही है। मानव

गृह के रूप में पृथ्वी तल का अर्थ पृथ्वी के उस भू-भाग से है जिस पर मानव का निवास है और जहाँ मानव क्रियाएं होती रहती हैं।

**(ii) स्थानिक वितरणों का विज्ञान(Science of spatial distributions)**

हम्बोल्ट भूगोल को विश्व के स्थानिक वितरणों (क्षेत्रीय वितरणों) का विज्ञान मानते थे । परवर्ती भूगोलवेत्ताओं ने इस संकल्पना को स्वीकार किया और स्थानिक वितरण की संकल्पना भूगोल की मौलिक संकल्पना बन गयी। स्थानिक वितरण की संकल्पना ही भूगोल को अन्य क्रमबद्ध या वर्गीकृत विज्ञानों में स्वतंत्र विषय के रूप में पृथकु स्थान प्रदान करती है।

**(iii) सामान्य भूगोल ही भौतिक भूगोल है। (General geography is physical geography)**

वारेनियस द्वारा विश्लेषित सामान्य भूगोल के अन्तर्गत प्राकृतिक तत्वों के साथ ही मानव का अध्ययन भी सम्मिलित होता था और तब तक भूगोल भौतिक और मानव भूगोल में वर्गीकृत नहीं था। हम्बोल्ट ने विश्व भूगोल या सामान्य भूगोल के लिए 'भौतिक भूगोल' शब्दावली का प्रयोग किया था किन्तु उनके भौतिक भूगोल में मानवीय अध्ययन भी सम्मिलित होता था । इस प्रकार हम्बोल्ट द्वारा प्रतिपादित भौतिक भूगोल सामान्य भूगोल का ही दूसरा नाम था। उन्होंने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ कॉसमॉस में लिखा है कि भौतिक भूगोल का उद्देश्य सजीव और निज्जीव प्रकृति के मध्य सम्बंध

श्रृंखला का अध्ययन करना है। इसमें आकाशीय पिण्ड से लेकर जलवायु, प्राकृतिक बनस्पति और मानव समूह तक के वर्णन किये जाते हैं। हम्बोल्ट के पश्चात् मानवीय तथ्यों का अध्ययन भूगोल की एक पृथक् शाखा मानव भूगोल के अन्तर्गत किया जाने लगा और भूगोल की प्रमुख शाखाएं बन गयी-भौतिक भूगोल और मानव भूगोल।